जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 260 प्रभात हिण्डौन सिटी, गुरुवार 21 जुलाई, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

चकोर या चुकर पक्षी मूलतः मिडिल ईस्ट और दक्षिण पूर्व एशिया में मिलते हैं पर अमेरिका, हवाई, ब्रिटिश कोलम्बिया, यूरोप के कुछ भागों और न्यूज़ीलैण्ड में इन्हें गेम बड्र्स के रूप में काफी पंसद किया जाता है। इराक और पाकिस्तान के राष्ट्रीय पक्षी चकोर का सबसे पुराना उल्लेख 250-500 ईस्वी के संस्कृत ग्रंथों में मिलता है। फैज़न्ट वर्ग के चकोर पक्षी भारत, इज़राइल, लेबनान, सऊदी अरेबिया, सीरिया, इराक, ईरान, अफगानिस्तान, तुर्कमेस्तिान, अफगास्तिान, उज़बेकिस्तान, कज़ाकिस्तान, ताज़ीकिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, चीन और मंगोलिया में तथा और ग्रीस, तुर्की व सायप्रस में भी पाए जाते हैं। भारत में कश्मीर और पश्चिमी हिमालयन क्षेत्र में इन पक्षियों की अच्छी आबादी है। इनकी कुल 16 रिकॉर्डेड उप प्रजातियाँ हैं जिनमे से दो भारत में पाई जाती हैं। इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) में इन्हें "लीस्ट कन्सर्न" (कम चिंता जनक) वर्ग में रखा गया है। मध्यम आकार के, 30 से 40 सैंटीमीटर लम्बे इन पक्षियों का वजन 450 से 800 ग्राम के बीच होता है। गर्मी में इनका प्रजनकाल आता है और नर मादा को रिझाने के लिए भोजन एकत्रित करता है। नर का प्रस्ताव स्वीकार होने पर मादा खाने के पास आती है। यही नहीं, नर सिर और पंख झुकाकर गर्दन फुलाकर मादा का पीछा करता है और कई बार विशेष प्रकार की आवाज निकालकर लम्बे डग भी भरता है। अगर मादा को प्रस्ताव स्वीकार होता है तो वह एक जगह बैठ जाती है। नर मोनॉगमस होते हैं। मादा एक बार में 7 से 14 अंडे देती है, 23 से 25 दिन में अंडों से चूज़े निकल आते हैं। संरक्षित केन्द्रों में अगर उनके अण्डे इकट्ठे किए जाएं तो वे रोज अण्डे दे सकते हैं। साहित्य में चकोर को लेकर कई किंवदंतियाँ प्रचलित हैं। जैसे, इस पक्षी को चांद से असीम प्रेम है, यह सारी रात चंद्रमा को ताकता रहता है और अंगारों को चन्द्रमा समझकर खा जाता है। हालांकि, वैज्ञानिक ऐसा नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि, यह पक्षी जुगनू जैसे चमकने वाले कीड़े तो खाता है, पर अंगारे नहीं खाता। इसके बारे में एक और बात बहुत मशहूर है कि, "विषैली वस्तु" को देखते ही इसकी आंखें लाल हो जाती हैं और यह मर जाता है। कहा जाता है कि, इसीलिए पुराने समय में भोजन की परीक्षा के लिए राजा इस पक्षी को पालते थे।

विदेशी इन्वैस्टर भारत से अपनी रकम निकाल कर अमेरिका में इन्वैस्ट कर रहा है

कारण है अमेरिका का रिज़र्व बैंक ब्याज बढ़ा रहा है, क्योंकि यह दुनिया का सबसे बड़ा रिज़र्व बैंक है, दुनिया भर से पैसा खिंचकर अमेरिका की ओर बह रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जुलाई। लोगों के लिए जीवन 40 से शुरु होता है पर भारतीय रूपए के लिए जीवन 80 पर रोमांचक होना शुरु हो रहा है।

भाारतीय रूपया आज फॉरेन एक्सचेंज मार्केट्स की ट्रेडिंग में एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में 80 रूपए के मनोवैज्ञानिक बैरियर को पार कर गया। अब यह जानना रोचक होता जा रहा है कि बाजारों में रूपया किस तरह से अपना बचाव करेगा और क्या यह अपनी खोई हुई कीमत वापस रिकवर कर पाएगा।

आर्थिक सुधारों और उदारवाद के बाद विदेशी निवेश के नियम संशोधित किए गए थे और विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय शेयर बाजारों में अपना पैसा लगाने की अनुमति दी गई थी। यह अच्छा है क्योंकि इससे निवेश डॉलर्स में प्राप्त होता है।

हालांकि, इसके साथ ही जब वित्तीय बाजार संकट में होते हैं तब भारतीय शेयर बाजारों में पहले से निवेश किए गए विदेशी निवेश की धन निकालने का जोखिम भी उत्पन्न हो जाता है। यह वही स्थिति है जो अब हो रही है क्योंकि यूक्रेन युद्ध की अनिश्चितताओं के कारण तेल की कीमतें बढ़ने, पूरी दुनिया में महंगाई बढ़ने और व्यापार के सामान्य चैनल्स में व्यवधान पड़ने और केन्द्रीय बैंकों के अपनी मौद्रिक नीतियों को पुनर्संरचित करने की स्वाभाविक प्रतिक्रिया हुई है।

- **गत एक वर्ष में भारत से तीस अरब डॉलर का इन्वैस्टमैंट निकाला गया है, अमेरिका में लगाने के लिये।**
- **स्वाभाविक ही है, डॉलर बहुत मजबूत हो रहा है और भारत की मुद्रा रूपये की कीमत डॉलर की तुलना में गिरती जा रही है।**
- **पर, यह निष्कर्ष निकालना गलत है कि, रूपये की कीमत इसलिये गिर रही है, क्योंकि हिन्दुस्तान की इकॉनमी की हालत कमजोर है। बल्कि गत वर्ष की तुलना में इकॉनमी की हालत इस वर्ष कुछ बेहतर है।**
- **रूपये की ही कीमत नहीं घट रही है बल्कि सभी देशों की मुद्राओं के दाम घट रहे हैं, पैसा अमेरिका की ओर खिंचने से।**
- **अतः, अगर रिज़र्व बैंक अपनी विदेशी मुद्रा खर्च करके रूपये के मूल्य को गिरने से रोकने का प्रयास करेगी, तो यह गलत निर्णय होगा, बहुमूल्य विदेशी मुद्रा (डॉलर) तो हम खर्च कर ही देंगे, पर रूपये की कीमत घटना रोक नहीं पायेंगे।**

इनमें से सबसे महत्वपूर्ण सैन्ट्रल बैंक, यू.एस. फैडरल रिज़र्व अपनी अत्यन्त कम फ्लोर रेट्स को और ऊंचे स्तरों तक बढ़ाने वाला है। इन संभावनाओं में संकेत ये हैं कि यू.एस. फैड एक ही बार में 100 बी.पी.एल. की बड़ी वृद्धि कर सकता है।

ये सभी तथ्य जोखिम गणनाओं और वित्तीय सम्पत्तियों के रिटर्न्स को बदल रहे हैं। जब भविष्य में ब्याज दरों के भविष्य में बढ़ने की उम्मीद होती है, तब वर्तमान सम्पत्तियां अपने मूल्य और लाभों में नकारात्मक हो जाती है। अतः निवर्तमान कीमतें गिर रही हैं और शेयर घाटे में जा रहे हैं।

अमेरिका की ब्याज दरों में भविष्य में संभावित वृद्धि को देखते हुए भारतीय शेयरों के विदेशी निवेशक अपना पैसा वापस निकाल रहे हैं, खबरें संकेत देती हैं कि विदेशी निवेशकों ने इसी वर्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोविड-19 संक्रमण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जुलाई। भारत में बुधवार को कोविड-19 के नये मामलों में भारी उछाल आया। एक दिन पहले मंगलवार को 15,528 केस आए थे पर बुधवार को इनकी संख्या 20,557 पहुंच गई। बुधवार को दैनिक मृत्यु आँकड़ा 40 पर था।

- **बुधवार को कोविड-19 संक्रमण के मामलों में भारी उछाल देखा गया, मंगलवार 15,528 नए मामले आए थे, जबकि बुधवार को 20, 557 नए केस आए।**

पिछले 24 घंटों में महाराष्ट्र तथा पश्चिम बंगाल में कोविड-19 से छः-छः मौत हुई। इसके बाद, पंजाब में 4, सिक्किम, केरल तथा असम में 3-3, दिल्ली में 2 तथा हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, ओडिशा एवं मणिपुर मं से प्रत्येक राज्य में 1-1 मृत्यु हुई।अब कोविड-19 के कारण 5,25,829 लोगों की मृत्यु हो चुकी है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमण्डल में असंतोष?

असंतोष का कारण है योगी का "स्टाइल ऑफ वर्किंग" जिसमें सारे अधिकार मु.मंत्री में समाहित हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जुलाई। उत्तर प्रदेश सरकार के एक मंत्री ने पार्टी हाई कमान से शिकायत की है कि "दलित होने के कारण" उनकी उपेक्षा की जा रही हैं। एक अन्य मंत्री ने भी नाराजगी व्यक्त करते हुये कहा है कि उनके "पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट" (पी.डब्ल्यू.डी.) जैसे महत्वपूर्ण मन्त्रालय में दखलंदाजी की जा रही हैं। इन स्थितियों को योगी सरकार के लिये एक संकट के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन वास्तव में कोई हलचल नहीं है। क्योंकि असली मुद्दा यह है कि सारी शक्ति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों केन्द्रित हैं।

नरेन्द्र मोदी द्वारा सारी शक्ति को प्रधानमंत्री कार्यालय में केन्द्रित कर दिया जाना या योगी आदित्यनाथ द्वारा सारी शक्तियाँ मुख्यमंत्री कार्यालय में निहित कर दिया जाना नई भाजपा में कोई मुद्दा नहीं रह गया हैं।

- **राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने अमित शाह को अपना त्यागपत्र भेजा तथा पी.डब्ल्यु.डी. मंत्री जितिन प्रसाद भी आग बबूला हैं क्योंकि उनके ओ.एस.डी., आई.ए.एस. अधिकारी अनिल कुमार पाण्डेय व विभाग के पांच वरिष्ठ अधिकारियों पर ट्रांसफर-पोस्टिंग में भ्रष्टाचार करने के आरोप लगाये गये व उन्हें निलंबित कर दिया गया है।**
- **दोनों मंत्री भुनभुना रहे हैं, पर मोदी सरकार की भांति योगी सरकार में भी हाई कमान चुप रहता है तथा दोनों का एक छत्र शासन चलता है।**

उत्तर प्रदेश के एक मन्त्री दिनेश खटीक ने अपना त्यागपत्र गृहमन्त्री अमित शाह के पास भेज दिया है। इस पत्र में शिकायत की गई है कि "दलित होने के कारण उनकी उपेक्षा" की जा रही है। यह पत्र राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल के पास जाना चाहिये था। लेकिन यह तरीका योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली के खिलाफ साफतौर पर विरोध व्यक्त करता है। कहा जाता है कि हर चीज को अपने नियन्त्रण में रखना योगी की सनक हैं।

खटीक, जो उत्तर प्रदेश सरकार में जल संसाधन मंत्री हैं, ने अपने पत्र में कहा है कि उन्हें 100 दिन से कोई काम नहीं सौंपा गया हैं। उन्होंने पत्र में कहा है कि "मैं इसलिये इस्तीफा दे रहा हूँ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट परीक्षा दोबारा

श्रीगंगानगर, 20 जुलाई (कासं)। श्रीगंगानगर के आर्मी पब्लिक स्कूल में 17 जुलाई को आयोजित नीट-2022 परीक्षा में हुई गड़बड़ी के बाद केन्द्र सरकार ने इस परीक्षा को दोबारा आयोजित कराने के लिए सहमति दे दी है।

- **श्रीगंगानगर में आर्मी पब्लिक स्कूल में 17 जुलाई को आयोजित नीट-2022 परीक्षा में गड़बड़ी के बाद केन्द्र सरकार ने वहां दोबारा परीक्षा करवाने के आदेश दिए हैं।**

इस विषय को लेकर लोकसभा सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री निहाल चन्द ने बुधवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया से मिले। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करते हुए बताया कि 17 जुलाई को श्रीगंगानगर स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल में आयोजित इस परीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'माकन को हटाने की कहानी राज्यसभा चुनाव से पहले ही लिखी जा चुकी थी'

विवेक बंसल, जो माकन के चुनाव प्रभारी थे, का यह वक्तव्य आत्म रक्षा का प्रयास है?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जुलाई। हरियाणा के राज्यसभा चुनावों में अजय माकन की हार से सम्बन्धित आरोपों-प्रत्यारोपों का दौर अभी जारी हैं।

हरियणा के ए.आई.सी.सी. प्रभारी विवेक बंसल ने पहली बार अपनी खामोशी तोड़ते हुये कहा कि अजय माकन ही पराजय की पटकथा तो चुनावों से काफी पहले ही लिखी जा चुकी थी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के दिग्गज नेता भूपिन्दर सिंह हूड़ा ने जे.जे.पी. के विधायकों तथा निर्दलीयों को साधने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किये तथा यही दशा माकन की रही। माकन ने भी इनके वोट हासिल करने के लिये कुछ नहीं किया।

विवेक बंसल माकन के चुनाव के चुनाव-प्रभारी थे। उन्होंने कहा कि हूडा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अजय माकन, राज्यसभा में अपनी हार के लिये किरण चौधरी व विवेक बंसल को जिम्मेवार मानते हैं। किरण चौधरी अपनी ओर से स्पष्टीकरण दे चुकी हैं, अब विवेक बंसल ने यह वक्तव्य देकर जिम्मेवारी भूपेन्द्र सिंह हूडा आदि पर डाली।**
- **बंसल के अनुसार हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में भूपेन्द्र सिंह हूडा ने जे.जे.पी. विधायकों व निर्दलीय विधायकों को संग्रहित करने का कोई प्रयास नहीं किया। यह भी पहले से ही चर्चा में था कि, कुलदीप विश्नोई, कांग्रेस पार्टी से खुश नहीं हैं, अतः माकन के पक्ष में वोट नहीं करेंगे।**
- **चर्चा तो यह भी है कि, प्रियंका गांधी भी राहुल के उम्मीदवार माकन को हराना चाहती थीं, वैसे भी प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा के डी.एल.एफ. कंपनी वालों से नजदीकी संबंध हैं तथा उनके मार्फत विनोद शर्मा को जानते हैं, जिनका पुत्र कार्तिकेय शर्मा, माकन को हरा कर राज्यसभा सदस्य बना है।**

अग्निपथ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जुलाई। तीनों सशस्त्र सेनाओं में भर्ती की केन्द्र सरकार की अग्निपथ स्कीम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दिल्ली हाईकोर्ट ने 25 अगस्त को सुनवाई नियत की है क्योंकि उसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा हस्तांतरित की गई फाइल्स अभी तक प्राप्त नहीं हुई

- **सेना में भर्ती की सरकार की अग्निपथ योजना के खिलाफ दर्ज सभी याचिकाओं की दिल्ली हाई कोर्ट 25 अगस्त को सुनवाई करेगा।**

हैं। सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाईकोर्ट को सूचित किया था कि शीर्ष अदालत ने इस स्कीम को चुनौती पेश करने वाली सभी याचिकाओं को 19 जुलाई को ट्रांसफर कर दिया था। ये याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट व अन्य हाईकोर्टों के समक्ष लम्बित थीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान विश्वविद्यालय के वी.सी. की नियुक्ति में काफी गड़बड़ झाला दिख रहा है

हाई कोर्ट ने वी.सी. के चयन के लिए गठित "सर्च कमेटी" को कटघरे में लिया और जवाब तलब किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 20 जुलाई। राजस्थान हाई कोर्ट में राजस्थान विश्वविद्यालय के वी.सी. (वाइस चांसलर) के पद पर राजीव जैन की नियुक्ति के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश एस.एस. शिंदे और न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड की डबल बैंच ने गत मंगलवार को सुनवाई की थी, जिसका आदेश हाई कोर्ट ने शनिवार देर शाम को अपलोड किया था।

अदालत ने मामले पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव तथा राजस्थान विश्वविद्यालय के वी.सी. को नियुक्त करने के लिए गठित "सर्च कमेटी" के चेयरमैन और एक अन्य सदस्य डॉक्टर प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी से जवाब तलब किया। उल्लेखनीय है कि अदालत ने विश्वविद्यालय के वी.सी. राजीव जैन से इस मामले में 11 फरवरी 2021 को ही जवाब तलब कर लिया था।

- **पहली आपत्ति तो यह है कि "सर्च कमेटी" में चार सदस्य होते हैं, जिसमें यू.जी.सी. का प्रतिनिधि भी शामिल होता है। परन्तु इस बार वह वी.सी.की चयन समिति में शामिल ही नहीं था।**
- **"सर्च कमेटी" का एक अन्य सदस्य राजस्थान विश्वविद्यालय की सीनेट का सदस्य था, जबकि व्यवस्था है कि विश्वविद्यालय से संबद्ध व्यक्ति "सर्च कमेटी" का सदस्य नहीं हो सकता।**
- **"सर्च कमेटी" में चार सदस्यों में से दो पर प्रश्न चिन्ह लगा है। अतः इस "सर्च कमेटी" का निर्णय विवादित बन जाता है।**
- **जैसा कि विदित ही है 213 उम्मीदवारों ने वी.सी. पद के लिए आवेदन किया था, उनमें से चार लोगों को किस कारण से और क्यों चयनित किया गया था, इस पर "कमेटी" कोई स्पष्टीकरण नहीं कर पाई है।**
- **अंत में इन चार जनों में से जिस व्यक्ति को वी.सी. नियुक्त किया गया, उसके पास न तो अनिवार्य रूप से आवश्यक अनुभव था और न ही शैक्षणिक योग्यता, जैसे पांच रिसर्च पेपर का प्रकाशन।**

जैसा कि विदित ही है कि इस मामले में डॉक्टर राम बृक्ष सिंह द्वारा जनहित याचिका दायर की गई थी और याचिककर्ता की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद पैरवी के लिए अदालत में पेश हुए थे।

याचिका में यह आरोप लगाया गया है कि राजस्थान विश्वविद्यालय के वर्तमान वी.सी. की नियुक्ति नियमों का उल्लंघन करते हुए की गई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि नियमों के अनुसार राजस्थान विश्वविद्यालय के वी.सी. के पद पर नियुक्ति के लिए उम्मीदवार को कम से कम 10 वर्ष तक किसी विश्वविद्यालय में "प्रोफेसर" के पद पर कार्य करने का अनुभव होना चाहिये, जबकि वर्तमान वी.सी. ने कोटा विश्वविद्यालय में केवल 5 वर्ष और तीन महीने तक ही "प्रोफेसर" के पद पर कार्य किया है। याचिका में आगे कहा गया है कि राजीव जैन ने राजस्थान विश्वविद्यालय के वी.सी. के पद पर नियुक्ति प्राप्त करने के लिए कम से कम पांच रिसर्च पेपर भी किसी भी शैक्षणिक प्रकाशन में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खादिम गौहर चिश्ती

अजमेर, 20 जुलाई (कास)। ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह से 17 जून को निकाली गई रैली में भड़काऊ नारे लगाने और तकरीर करने के आरोपी खादिम गौहर चिश्ती को अजमेर पुलिस ने बुधवार को खादिम मौहल्ला स्थित उसके निवास पर ले

- **अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के आरोपी खादिम गौहर चिश्ती से पुलिस ने घर की तस्दीक कराई।**

जाकर जगह की तस्दीक करवाई।

जानकारी के अनुसार खादिम गौहर चिश्ती को बुधवार को कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच दरगाह क्षेत्र स्थित खादिम मौहल्ले ले जाया गया।

पुलिस का भारी लाव-लश्कर जिस भी मार्ग और गलियों से गुजरा वहां आगे से आगे किसी को भी तांकने-झांकने तक नहीं दिया गया।

यहां तक कि राह में पड़ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)